साहित्य अमृत

मासिक

वर्ष-२२ अंक-२ ❖ पृष्ठ ९२ | भाद्रपद-आश्विन, संवत्-२०७३ | सितंबर २०१६

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

❖

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

❖

संपादक

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

❖

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

❖

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

❖

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-११०००२

फोन : २३२८९७७७ • फैक्स : २३२५३२३३

इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

❖

शुल्क

एक अंक —₹ ३०

वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००

वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००

विदेश में

एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)

वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

❖

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२
से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६,
कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

❖

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

इस अंक में

संपादकीय

राजभाषा-राष्ट्रभाषा हिंदी ४

प्रतिस्मृति

हिंदीमय जीवन/ *विद्यानिवास मिश्र* ५

आलेख

राजभाषा की लड़ाई : बिना खड्ग बिना ढाल/ *बुद्धिनाथ मिश्र* ८

हिंदी में समाहित अध्यात्म, ज्ञान और विज्ञान/ *मृदुल कीर्ति* १३

हिंदी : विश्वभाषा की ओर अग्रसर/ *बद्री नारायण तिवारी* २०

डेढ़ दशक बाद भी कितने लोग जानते हैं यूनिकोड को/ *बालेंदु शर्मा दाधीच* २९

राजा लक्ष्मण सिंह'''/ *कुश चतुर्वेदी* ४०

छायावादी कविता का प्रस्थान बिंदु 'इंदु'/ *कुमुद शर्मा* ६२

कहानी

कम्मो/ *आचार्य मायाराम पतंग* १०

सूरज/ *प्रमोद कुमार अग्रवाल* १८

गृहस्थी/ *राजेंद्र परदेसी* २६

चाचीजी/ *माया मिश्र* ३५

शादीनामा/ *रहिला रईस* ५१

वह अजनबी/ *सरिता कुमारी* ६६

लघुकथा

पत्थर और पानी/ *ओमप्रकाश बजाज* ९

तोड़ियाँ/ *सेवा सदन प्रसाद* २८

संवेदनाएँ मर रहीं/ *सेवा सदन प्रसाद* ४२

डर/ *सेवा सदन प्रसाद* ६१

सरल स्वभाव/ *ओमप्रकाश बजाज* ७२

भ्रष्टाचार/ *सीताराम गुप्ता* ८३

कविता

नीम खड़ा रोता है/ *शरद नारायण खरे* १५

आत्म-संवाद के दोहे/ *विनय मिश्र* २५

प्रकृति का नाद/ *जय प्रकाश पांडे* ३७

सत्यं शिवं सुंदरम्/ *रूपनारायण काबरा* ५७

मनवा आठों याम/ *कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'* ६५

हिंद देश की भाषा हिंदी/ *शिवनंदन कपूर* ७३

स्मरण

डॉ. हरदयाल : विनम्र विद्वत्ता/ *हेमंत कुकरेती* १६

मेरे पिता का संगीत प्रेम/ *शोभा शुक्ला* ५८

व्यंग्य

करतब जमूरों के/ *अश्विनी कुमार दुबे* ३२

सास की अटकी साँस/ *सुनीता शानू* ८२

राम झरोखे बैठ के

बेहतर श्वान या इनसान/ *गोपाल चतुर्वेदी* ३८

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

अब दुःख नहीं है/ *वाई. गोपाल कृष्णन* ५६

साहित्य का विश्व परिपार्श्व

एक माँ की कहानी/ *हंस क्रिचन ऐंडरसन* ७०

लोक-साहित्य

लोकगीतों में पति-पत्नी प्रेम/ *अरविंद मिश्र* ७४

साँझी पर्व संजा सहेलड़ी/ *सुधा तैलंग* ८४

यात्रा-संस्मरण

अथ श्रीगोवर्धन तीर्थ-कथा/ *प्रेमपाल शर्मा* ७६

बाल-संसार

पापा बोलो तो!/ *संजीव ठाकुर* ८५

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ८६

वर्ग-पहेली ८७

साहित्यिक गतिविधियाँ ८८